



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनिक भास्कर	27-7-23	6	1-4

भास्कर खास • सुंडी बाजरे की जड़ों को काटकर अगस्त से अक्टूबर तक करती है नुकसान बरसात के बाद बाजरे की फसल में बढ़ता है सफेद लट और सुंडी का खतरा, लाइट ट्रैप व मिट्टी के तेल के घोल से करें नष्ट

यशपाल सिंह | हिसार

मानसूनी बरसात के बाद बाजरे में सफेद लट का खतरा हो सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इसकी लट अंग्रेजी के अक्षर 'सी' के आकार की होती है। सफेद रंग की लट जिसका मुंह भूरे रंग का होता है बाजरे की जड़ों को काटकर अगस्त से अक्टूबर तक नुकसान करती है। हकूवि बाजरा विभाग के प्रभारी डा. अनिल यादव ने बताया कि वृक्षों में एकत्रित प्रौढ़ भूंडों को वर्षा के बाद पहली व दूसरी रात को वृक्ष हिलाकर नीचे गिराकर एकत्र करें व उनको मिट्टी के तेल के घोल में डालकर नष्ट कर दें। फसल में 0.04 मोनोक्रोटोफास, 36 एसएल या 0.05 क्विनलफास 25 ईसी का छिड़काव करें।

सुंडी की ये दो प्रजातियां पहंचाती हैं नुकसान

इस कीट की सूंडियां छोटी अवस्था में होती हैं। यह इकट्टी रहकर पत्तों की निचली सतह पर नुकसान करती हैं और पत्तों को खाती हैं। इनकी दो प्रजातियां बिहार हेयर केटर पिलर व रेड हेयरी केटरपिलर हैं। लाल बालों वाली सूंडियां जुलाई के दूसरे पखवाड़े से अगस्त माह के अंत तक रहकर सक्रिय रहकर नुकसान करती हैं।

इस तरह सावधानियां बरतकर सकते हैं नियंत्रण

लाल बालों वाली सूंडियां प्रौढ़ पतंगों की तरफ आकर्षित होती हैं। पहली बारिश के बाद एक मास तक लाइट ट्रैप का प्रयोग करें। पत्तों को छोटी सूंडियों सहित तोड़ लें तथा ऐसे पत्तों को जमीन में गहरा दबा दें या मिट्टी के तेल के घोल में डालकर इनको मार दें। बड़ी सूंडियों की रोकथाम के लिए 250 मिली मोनोक्रोटोफास, भोनोसिल/न्यूवाक्रान 36 एसएल या 50 मिली क्विनलफास एकालक्स 25 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।



फॉल आर्मीवर्म के आक्रमण से हो जाते हैं छिद्र

फॉल आर्मीवर्म फॉ मक्का का सर्वाधिक हानिकारक कीट है। फॉल आर्मीवर्म आक्रमण की पहचान पत्तों पर लंबे या गोल से आयताकार कटे-फटे छिद्रों द्वारा होती है। इसकी छोटी बड़ी मटमैले रंग की सूंडियां पौधों की गोभ को खाती हुई मिलती हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर 2	27-7-23	6	5

विषाणु रोगों से मूंग व उड़द की रुक जाती है बढ़वार, सफेद मक्खी से करें बचाव

भास्कर न्यूज | हिसार

मूंग, उड़द व लोबिया में विषाणु रोगों के प्रकोप से पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा पत्तियां पीली, चितकबरी या झुरीदार हो जाती हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इनकी रोकथाम के लिए शुरू में ही रोगी पौधों को निकालकर नष्ट कर दें। ध्यान रहे कि उखाड़ते समय रोगी पौधों का संपर्क स्वस्थ पौधों से न होने पाए। सफेद मक्खी विषाणु रोग से फैलाती है। इसकी रोकथाम के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी. या 250 मिली. रोगोर 30 ईसी. को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर 10-15 दिन के अंतर पर छिड़कें। उपर्युक्त कीटनाशक दूसरे रस चूसने वाले कीड़ों के लिए भी हैं। खरपतवारों की समय पर रोकथाम करने के लिए निराई करें। खेत में पानी न ठहरने दें। प्रायः पत्तों पर लाल व भूरे रंग के कोणदार धब्बे जिनके बीच का रंग सलेटी होता है बन जाते हैं। इस बीमारी की रोकथाम के लिए लक्षण दिखते ही 600 ग्राम ब्लाइटॉक्स-50 का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ फसल पर छिड़काव करें और 10 दिन के अंतर पर आवश्यकतानुसार छिड़काव दोहराएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनेश जागरण	27.7.23	2	25

जाति, धर्म के भेद से ऊपर उठ अपने जीवन में सामाजिक सेवा को शामिल करें युवा : व्यास

राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम

जागरण संवाददाता, हिसार : युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये शब्द चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डा. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि सीताराम व्यास ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों



मुख्यातिथि सीताराम व्यास प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। उनके साथ है कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य। • पीआरओ।

अधिक पैदावार वाली किस्में विकसित कर रहा एचएयू

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हकृवि ने हाल ही में बाजरे की

जिंक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की है। इस अवसर पर पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल दीगड़ा, राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी डा. भगत सिंह, डा. चंद्रशेखर डागर, देशराज आदि मौजूद थे।

विभिन्न प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। समूह नृत्य में टीम 7 में प्रथम स्थान तानशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। समूह नृत्य टीम-5 में प्रथम स्थान जतिन व दूसरा स्थान अमृत रहा। डॉस सोलो में तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। आन दा स्याट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सॉंग में प्रथम स्थान जैकसील व दूसरा स्थान यशस्वी रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही।

को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुद्दों से अवगत कराया। विश्व में भारत एकमात्र देश

है, जहां भारत को माता की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा

शक्ति से ही देश के उत्थान को बढ़ावा देकर सपने को पूरा किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब कसरी

दिनांक
27.7.23

पृष्ठ संख्या
3

कॉलम
1-4

भेदभाव से ऊपर उठकर जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करें युवा : व्यास

हिसार, 26 जुलाई (ब्यूरो): युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एन.एस.एस. अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुद्दों से अवगत करवाया। विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां भारत को माता की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश के समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाने में युवा शक्ति की



प्रतिभागियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि सीताराम व्यास। साथ हैं कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

पर कार्य करना जरूरी है, जिनमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, श्रम शक्ति व शस्त्र शक्ति शामिल हैं।

मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को अपनी जिंदगी कालक्षय निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही देश के उत्थान को बढ़ावा देकर सपने को पूरा किया जा सकता है। यही एन.एस.एस. का ध्येय भी है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर देश के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति, भाषा, रहन-सहन को समझने का बेहतरीन अवसर है, यह समय फिर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि हम छोटे-छोटे कार्य से समाज में परिवर्तन ला सकते हैं, तभी देश में बड़ा बदलाव आएगा।

कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हकूवि ने हाल ही में बाजरे की जिंक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में हकूवि ने मानव जन व पशुधन की पोषण सुरक्षा के लिए बाजरे व ज्वार की उन्नत किस्में विकसित की हैं। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर खडगार ने 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर की विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से आए मनोज कुमार व राज्य एन.एस.एस. अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने हम

इस प्रकार रहे परिणाम

7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के द्वारा इन प्रतियोगिताओं के विजेता रहे स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया, जिनमें समूह नृत्य में टीम 7 में प्रथम स्थान तानशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। इसी प्रकार, समूह नृत्य टीम-5 में प्रथम स्थान जतिन व दूसरा स्थान अमृत रहा। डांस सोलो में तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सोंग में प्रथम स्थान जैकलीन व दूसरा स्थान यशस्वी रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आशीष व द्वितीय स्थान पर वैशाली रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका गुप्ता व द्वितीय स्थान पर सुश्री प्रीति रहे। कोलॉज मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गोबिंद व नवीन और दूसरे स्थान पर भारती व सुस्मिता रहे। सोलो प्रतियोगिता में टीम-3 में जितिका



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27.7.23	4	15

भास्कर खास • एचएयू में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर संपन्न, 17 प्रदेशों से स्वयंसेवकों ने लिया भाग युवाओं को सामाजिक सेवा जरूर करनी चाहिए : सीताराम

भास्कर न्यूज | हिसार

युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये विचार हकूवि में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी डा. भगत सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित



किया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर डागर, देशराज, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सात दिवसीय

राष्ट्रीय एकता शिविर की रिपोर्ट पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से आए मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने इस सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में एचएयू द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

डांस सोलो में तन्मय तो भाषण में दीक्षा प्रथम

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताएं की गईं। शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के द्वारा इन प्रतियोगिताओं के विजेता रहे स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया, जिनमें समूह नृत्य में टीम 7 में प्रथम स्थान तानशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। इसी प्रकार, समूह नृत्य टीम-5 में प्रथम स्थान जतिन व दूसरा स्थान अमृत रहा। डांस सोलो में तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सॉंग में प्रथम स्थान जैकसील व दूसरा स्थान यशस्वी रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आशीष व द्वितीय स्थान पर वैशाली रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका गुप्ता व द्वितीय स्थान पर सुश्री प्रीति रहे। कोलॉज मेंकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गोबिंद व नवीन और दूसरे स्थान पर भारती व सुस्मिता रहे। रंगोली प्रतियोगिता में टीम-3 में निकिता शर्मा व दिव्या व टीम 6 में चारुशिला व सुमित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
उमर उजाला

दिनांक
27.7.23

पृष्ठ संख्या
4

कॉलम
1-6

कार्यक्रम

एचएयू में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया

‘जाति, धर्म के भेद से ऊपर उठ सामाजिक सेवा को देनी होगी प्राथमिकता’

माई सिटी रिपोर्टर



एचएयू में चल रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन पर प्रतिभागियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि सीताराम व्यास। साथ में हैं कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। हाल ही में

बाजरे की जिंक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की है। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। समूह नृत्य में टीम-7 में प्रथम स्थान तानशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहे।

समूह नृत्य में टीम-5 में प्रथम स्थान पर जतिन व दूसरे स्थान पर अमृत रहे। सोलो डांस में तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर

दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सॉंग में प्रथम स्थान जैकसील व दूसरा स्थान यशस्वी ने प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पवन व दूसरे स्थान पर सुमेधा रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम आशीष व द्वितीय स्थान पर वैशाली रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका गुप्ता ने प्राप्त किया व द्वितीय स्थान पर प्रीति रही। कोलॉज मेकिंग प्रतियोगिता में गोविंद और नवीन ने प्रथम स्थान और दूसरे स्थान पर भारती व सुस्मिता रहे। रंगोली प्रतियोगिता में निकिता शर्मा व दिव्या प्रथम रहे। चारुशिला व सुमित द्वितीय रहे।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए।

तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	27.7.23	9	2-5

जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को शामिल करें युवा : सीताराम

हिसार। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने कहा है कि युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक

■ एचएयू में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। सीताराम व्यास हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में 17

प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस



हिसार। मुख्यातिथि सीताराम व्यास प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए, उनके साथ हैं कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि सीताराम व्यास ने राष्ट्रीय सेवा

योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुहों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारत देश की समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होती है, इसलिए युवा शक्ति को इन गांच बातों का ध्यान रखकर उन पर कार्य करना जरूरी है, जिनमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, श्रम शक्ति व शस्त्र शक्ति शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढोंगड़ा, राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर डागर, देशराज आदि मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजियत समाचार 2	27-7-23	11	1-6

युवाओं को जाति, धर्म व भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए : सीताराम व्यास

हिसार, 26 जुलाई (विन्देश वर्मा): युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यातिथि सीताराम व्यास ने अपने संबोधन के जरिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुद्दों से अवगत कराया। विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां भारत को माता की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश को समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होती है, इसलिए युवा शक्ति को इन 5 बातों का ध्यान रखकर उन पर कार्य करना जरूरी है, जिनमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, श्रम शक्ति व शस्त्र शक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण, धन संचय, दूसरों को सही दिशा दिखाकर उचित मार्ग पर चलाने, देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका व विदेशी का दबाव न मानकर शस्त्र रूप से सशक्त बनना है। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को अपनी जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान

किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही देश के उत्थान को बढ़ावा देकर सपने को पूरा किया जा सकता है। यही एनएसएस का ध्येय भी है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर देश के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति, भाषा, रहन-सहन को समझने का बेहतरीन अवसर है, यह समय फिर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि हम छोटे-छोटे कार्य से समाज में परिवर्तन ला सकते



मुख्यातिथि सीताराम व्यास प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। उनके साथ हैं कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हैं, तभी देश में बड़ा बदलाव आएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हकूवि ने हाल ही में बाजरे की जिंक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की है। अन्तर्राष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष में हकूवि मानव जन व पशुधन की पोषण सुरक्षा के लिए बाजरे व ज्वार की उन्नत किस्में विकसित की है। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

की विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से आए मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने इस सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में हकूवि द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के द्वारा इन प्रतियोगिताओं के विजेता रहे स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया, जिनमें समूह नृत्य में टीम 7 में प्रथम स्थान तानशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। इसी प्रकार, समूह नृत्य टीम-5 में प्रथम स्थान जतिन व दूसरा स्थान अमृत रहा। डॉस सोलो में तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सोंग में प्रथम स्थान जैकसील व दूसरा स्थान यशस्वी रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आशीष व द्वितीय स्थान पर वैशाली रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका गुप्ता व द्वितीय स्थान पर सुश्री प्रीति रहे। कोलॉज मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गोबिंद व नवीन और दूसरे स्थान पर भारती व सुस्मिता रहे। रंगोली प्रतियोगिता में टीम-3 में निकिता शर्मा व दिव्या व टीम 6 में चारुशिला व सुमित रहे। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढोंगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्ड डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर डागर, देशराज, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्य सूक्ष्म	27.7.23	5	4-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर सम्पन्न

17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने सीखे सेवा के गुर

हिसार (सच कहें न्यूज)। युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में समाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने



हकृषि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि सीताराम व्यास संबोधित करते हुए।

की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यातिथि सीताराम व्यास ने

अपने संबोधन के जरिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुद्दों से अवगत कराया। विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां भारत को माता की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य

खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध: प्रो. बी.आर. काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उन्नत किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हकृषि ने हाल ही में बाजरे की जिक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की है। अन्तर्राष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष में हकृषि मानव जन व पशुधन की पोषण सुरक्षा के लिए बाजरे व ज्वार की उन्नत किस्में विकसित की है। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डामर ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर की विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से आए मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने इस सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में हकृषि द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश को समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होती है, इसलिए

युवा शक्ति को इन 5 बातों का ध्यान रखकर उन पर कार्य करना जरूरी है, जिनमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, श्रम शक्ति व शस्त्र शक्ति शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	26.07.2023	--	--

युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए : सीताराम व्यास

पाठकपक्ष न्यून

हिसार, 26 जुलाई : युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। तभी हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनेगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि सीताराम व्यास ने अपने संबोधन के जरिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के गौरवशाली इतिहास से लेकर ज्वलंत मुद्दों से अवगत कराया। विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां



भारत को माता की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश को समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होती है, इसलिए युवा शक्ति को इन 5 बातों का ध्यान रखकर उन पर कार्य करना जरूरी है, जिनमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, श्रम शक्ति व शस्त्र शक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण, धन संचय, दूसरों को सही दिशा दिखाकर उचित मार्ग पर चलाने, देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका व विदेशी का दबाव न मानकर शस्त्र रूप से सशक्त बनना है। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को अपनी जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही देश के उत्थान को बढ़ावा देकर सपने को पूरा किया जा सकता है। यही

एनएसएस का ध्येय भी है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि यह सप्त दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर देश के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति, भाषा, रहन-सहन को समझने का बेहतरीन अवसर है, यह समय फिर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि हम छोटे-छोटे कार्य से समाज में परिवर्तन ला सकते हैं, तभी देश में बड़ा बदलाव आएगा।

विभिन्न प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के द्वारा इन प्रतियोगिताओं के विजेता रहे स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया, जिनमें समूह न्यून में टीम 7 में प्रथम स्थान तनशी, द्वितीय स्थान पर सिजान व तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। इसी प्रकार, समूह न्यून टीम-5 में प्रथम

खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध - प्रो. बी.आर. काम्बोज

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली ऊन किस्में विकसित करने के अलावा अधिक पोषण तत्वों वाली किस्में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हकूवि ने हाल ही में बाजरे की जिंक व लौह तत्व से भरपूर किस्में विकसित की है। अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में हकूवि मानव जन व पशुधन की पोषण सुरक्षा के लिए बाजरे व ज्वार की उन्नत किस्में विकसित की है। शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर की विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से आए मनोज कुमार व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने इस सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में हकूवि द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

स्थान जतिन व दूसरा स्थान अमृत रहा। डॉस सोलो ने तन्मय ने पहला स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। अर्न दा स्पोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीक्षा रानी व द्वितीय स्थान पर संजीव कुमार रहे। सोलो सोंग में प्रथम स्थान जैकसील व दूसरा स्थान यशस्वी रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आशीष व द्वितीय स्थान पर वैशाली रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

मॉनिका गुप्ता व द्वितीय स्थान पर सुश्री प्रीति रहे। कोलॉज मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गोविंद व नवीन और दूसरे स्थान पर भारती व सुमिता रहे। रंगोली प्रतियोगिता में टीम-3 में निकिता शर्मा व दिव्या व टीम 6 में चारुशिला व सुमित रहे। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल खिंगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवाइल डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर डागर, देशराज, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	26.07.2023	--	--

युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए : सीताराम व्यास

समस्त हरियाणा युवा दिवस, 26 जुलाई। युवाओं को जाति, धर्म, भाषा के भेद से ऊपर उठकर अपने जीवन में सामाजिक सेवा को जरूर शामिल करना चाहिए। यही हमारा देश वैभवशाली, समृद्धशाली व रचनात्मक बन से विकसित होने का रास्ता है। ये विचार यौवनी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित महा दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम समारोह में मुख्यअतिथि के तौर पर पहुंचे सीता राम व्यास द्वारा संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. कान्छोब ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से अशोक कुमार व राज्य एग्रीकल्चर अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि सीताराम व्यास ने अपने संबोधन के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत देश के विकासशील इलाकों से लेकर ज्वलंत मुहूर्त से जागरूक कराया। विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां भारत को भारत की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश को समृद्धशाली, वैभवशाली व रचनात्मक बन से विकसित करने में युवा शक्ति को अत्यंत भूमिका होती है, इसलिए युवा शक्ति को इन 5 कक्षाओं का

ध्यान रखकर इन पर कार्य करना जरूरी है, जिसमें जल शक्ति, धन शक्ति, बौद्धिक शक्ति, मन शक्ति व स्वास्थ्य शक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसे जल संकल्प, धन संकल्प, दुजली को सही ढंग से विकसित करना जल संकल्प, देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में अत्यंत भूमिका व विशेषता का ध्यान न मानकर इनका रूप से अलग करना है। मुख्यअतिथि ने स्वयंसेवकों को अपनी शिष्टता का लक्षण विभोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही देश के उत्थान को बढ़ावा देकर अपने को युवा शक्ति का मानता है। यही एकमात्र का ध्येय भी है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि यह महा दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस देश के अलग-अलग राज्यों को संस्कृति, भाषा, रंग-रस को समझने का वैश्वीय अवसर है, यह समय फिर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि हम छोटे-छोटे कक्षा से अलग से परिचय ले सकते हैं, यही देश में बहुत बड़ाका आया।

युवा मूल्या के साथ योग्य मूल्या को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : प्रो. बी.आर. कान्छोब

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कान्छोब ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक विद्यार्थी वाली इस विभागीय विभाजन करने के अलावा अधिक 'योग्य' लोगों वाली विभागीय विभाजन कर रहा है। इसी कड़ी में



हमूनि ने इस ही में जारी की शक्ति व लक्ष्य लक्ष में भारत विभागीय की है। अत्यंत शक्ति वर्ष में हमूनि जारी व अन्य की इस विभागीय विभागीय की है। विभागीय कार्यक्रम डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने महा दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस को विभूत निर्देशित पेश की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से अशोक कुमार व राज्य एग्रीकल्चर अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार ने इस महा दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस में हमूनि द्वारा किए गए, वर्षों की सफलता को।

विभिन्न प्रतिरोधकों के परिणाम इस प्रकार रहे

महा दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस में विभिन्न प्रतिरोधकों का भी आभोजन

किया गया था। विभागीय के समस्त समारोह में मुख्यअतिथि के द्वारा इन प्रतिरोधकों के विवेक रहे स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया गया, जिसमें समूह युवा में टीम 2 में प्रथम स्थान हासिल, द्वितीय स्थान पर विजय व तृतीय स्थान पर उपलब्ध रहा। इसी प्रकार, समूह युवा टीम-3 में प्रथम स्थान हासिल व दूसरा स्थान अर्जित रहा। शेष शेषों में प्रथम ने प्रथम स्थान व सुवर्ण ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम प्रतिरोधकों में प्रथम स्थान चौथा व द्वितीय स्थान का प्रथम रहा। वहीं टा-सॉट प्रतिरोधकों में प्रथम स्थान चौथा रही व द्वितीय स्थान का चौथा प्रथम रहे। शेष शेषों में प्रथम स्थान केवलम व दूसरा स्थान प्राप्त की रहे। अंतिम महा दिवसीय में प्रथम स्थान

प्राप्त व दूसरा स्थान सुवर्ण रही। शेष प्रतिरोधकों में प्रथम स्थान आरक्षण व द्वितीय स्थान का केवलम रहे। चौथा प्रतिरोधकों में प्रथम स्थान विवेक युवा व द्वितीय स्थान का सुशी शक्ति रहे। केवलम शेष प्रतिरोधकों में प्रथम स्थान विवेक व तृतीय और दूसरे स्थान का शशी व सुविवल रहे। शेष प्रतिरोधकों में टीम-3 में विवेक शशी व विवेक व टीम 4 में आरक्षण व सुविवल रहे। इस कार्यक्रम विवेक डॉ. अशोक कुमार ने जारी का आभोजन किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अगुवाई डॉ. चरण सिंह ने अध्यक्षता प्रदान करित किया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, दिनेश, समृद्धशाली कार्यक्रम अधिकारी महिष अशोक अधिकारी व स्वयंसेवकी शीतूर रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नमू छोर	26.07.2023	--	--

अपनी जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करें स्वयंसेवक : सीताराम व्यास

नमू-छोर मसूदा भा. 26 जुलाई

हिसार। युवाओं को जति, धर्म, धर्म के बंध से ऊपर उठकर अपने जीवन में समाजिक सेवा को उत्तम तरीके से करना चाहिए। सभी प्रकार के वैभववादी, सम्पदावादी व रचनात्मक रूप से सक्रियता को बढ़ावा देना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस के समापन समारोह में मुख्याधीन के तौर पर चुने गये वरिष्ठ सहायक कार्यक्रम सौताराम व्यास ने 17 प्रदेशों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. कारमोज ने की, जबकि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से मनोज कुमार व राज्य एग्रेसिवल अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

व्यास ने कहा कि विश्व में भारत एकमात्र देश है, जहां भारत को धर्म की संज्ञा दी जाती है, जबकि अन्य देशों में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश को सम्पदावादी, वैभववादी व रचनात्मक रूप से सक्रियता को बढ़ावा देने में युवा शक्ति को अग्रम भूमिका होती है, इसलिए युवा शक्ति को इन 5 बातों का ध्यान रखकर उन पर कार्य करना जरूरी है, जिसमें जल शक्ति, धन शक्ति, वैश्विक शक्ति, अर्थ शक्ति व शान्त शक्ति शामिल हैं। मुख्याधीन ने स्वयंसेवकों को अपनी जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति से ही देश के उत्थान को सदा के लिए हमारे को पूरा किया जा सकता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के

दीक्षा व पंकज ने दिया प्रभावी भाषण

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस में विभिन्न प्रतिष्ठानों का भी आह्वान किया गया था। दिवस के समापन समारोह में मुख्याधीन के द्वारा इन प्रतिष्ठानों के विजेता रहे स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया गया, जिसमें समूह क्रम में टीम 7 में प्रथम स्थान बनारी, द्वितीय स्थान पर विजय व तृतीय स्थान पर लखनऊ। इसी प्रकार, समूह क्रम टीम-5 में प्रथम स्थान जलियां व दूसरा स्थान अमृतसर। वहीं सोले में लखनू ने प्रथम स्थान व सुमेधा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भारत प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान टीका व द्वितीय स्थान पर पंकज रहा। ऑन द स्पॉट प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान टीका रानी व द्वितीय स्थान पर संजय कुमार रहे। सोले खीम में प्रथम स्थान जैकरील व दूसरा स्थान पंजाबी रहे। कविता फाउंडेशन में प्रथम स्थान पवन व दूसरा स्थान सुमेधा रही। स्वामी प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान अशोक व द्वितीय स्थान पर वैजली रहे। मेक्टर प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान मेनिषा गुला व द्वितीय स्थान पर सुशी प्रति रहे। कोर्टोन मेकिन प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान मेनिषा व तृतीय और दूसरे स्थान पर भूरी व सुनिता रहे। रमोली प्रतिष्ठान में टीम-3 में विक्रिता रानी व दिव्या व टीम 6 में पारसिता व सुनिता रहे।



कुलपति प्रो. बी.आर. कारमोज ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक पैदावार वाली उपज किसमें विकसित करने के अलावा अधिक पोषक तत्वों वाली किसमें विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में हड़कवि ने हाल ही में काजरी की जिनक व

लीक जल से बाधुर किसमें विकसित की है। दिवस समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता दिवस की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। इसके पूर्व सत्र कार्यक्रम निदेशक डॉ. अमृतल दीपिका ने सभी का स्वागत किया।